राष्ट्रीय

सहारा

कानपुर • मंगलवार • 17 दिसम्बर • 2024

खेतीकिसानी व मौसम को जानने बच्चे पहुंचे सीएसए

बिल्हौर। गांव के बच्चे हों और बात जब खेतीकिसानी और मौसम की हो तब उनकी उत्सुकता और खुशी देखने लायक होती है। कुछ ऐसा ही नजारा सोमवार

बिल्हौर विकास खंड के बच्चों का शैक्षिक भ्रमण

को सीएसए का था। बिल्हौर ब्लॉक के परिषदीय स्कूलों के एक सैकड़ा बच्चे चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे। इन बच्चों को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

डॉ. रंजीत और डॉ. अजय मिश्रा ने मौसम प्रयोगशाला में धूप घड़ी यंत्र, ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन, ऑटोमैटिक रैन गेज, मैनुअल रैन गेज यंत्र की जानकारी दी। सरदार पटेल कृषि शिक्षा संग्रहालय में धान, मटर, मूंग, दालें और विभिन्न सब्जियों की भिन्न-भिन्न प्रजातियों की जानकारी कराई गई। मृदा विज्ञान और कृषि रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने मिट्टी की उत्पत्ति आदि पर प्रकाश डाला। देश में मिट्टी के कुल बारह प्रकार होते हैं। प्रयोगशाला पीएच वैल्यू निकालना बताया। इस दौरान विभागाध्यक्ष अनिल कुमार ने छात्रों को बताया कि मिट्टी की एक परत का निर्माण कई वर्षों में हो पाता है। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी रवी कुमार सिंह के साथ अखिलेश द्विवेदी, वेद प्रकाश शुक्ला, रमानंद त्रिपाठी, पुष्पेंद्र सिंह, कमलेश वर्मा, अंकित, आशा कटियार, प्रशांत, संदीप, आशाराम, पंकज, धर्मेंद्र कटियार, अनुज, अंशू, अवधेश कुमार, अजय पाल सिंह, चंद्रशेखर कुशल और विकास खंड के एआरपी और शिक्षक मौजूद रहे।

सीएसए में खंड शिक्षा अधिकारी रवी कुमार सिंह के साथ मौजूद शिक्षक और बच्चे।

पर्यावरणीय चुनौतियों पर कुलपति ने दिया व्याख्यान

कानपुर, 16 दिसम्बर। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो0 डा0 आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन अभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच के मुद्दे के साथ विगत 13-14 दिसम्बर 2024 को इंडोनेशिया में आयोजित हुआ। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन लाइफ़ साइंस और हमारे अकादमिक साझेदार कृषि विश्वविद्यालय कानपुर,स्श्वलद्व यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज,मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज,फ़िलिपींस एवं यूनिवर्सिटी ऑफ़ हॉर्टिकल्चर साइंसेज़,भारत द्वारा किया गया था। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य साझा विशेषज्ञता और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवसाओ को तैयार करना था। पिछले कुछ वर्षों में गो ग्रीन शिखर सम्मेलन ने एक स्थायी भविष्य के लिए योग्य समाधान विकसित करने के लिए विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा दिया है। इस गतिशील मंच पर एक हरित कल को आकार देने में हमारे साथ जुड़े सैकड़ों प्रतिभागी अपना अपना बहुमूल्य योगदान लगातार दे रहे हैं जो भविष्य निर्माण के लिए कारगर साबित होगा । सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की और सम्मेलन में नोट स्पीकर के रूप में भी अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। मुख्य भूमिका का निर्वहन किया है। इसी क्रम में कृषि अभियंत्रण संकाय के अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा ने अवगत कराया कि, कुलपति महोदय की वैश्विक स्तर पर पहचान एवं उनके द्वारा विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने की सोच के कारण ही कृषि विश्वविद्यालय कानपुर इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा सका है। डॉ शर्मा ने बताया कि, चंद्रशेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर एवं इटावा परिसर पिछले विगत 6 माह में तीन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों जैसे साउथ अफ़्रीका संगोष्ठी कृषि विश्वविद्यालय कानपुर अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एवं बाली इंडोनेशिया के आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा चुका है। इस ग्यारहवें गो ग्रीन सम्मेलन में दस देशों से अधिक देशों के लगभग दो सौ से ज़्यादा वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया था। सम्मेलन में डा0 वोंग लिग शिंग, मलेशिया, डा0 रिनीरियो ई एकिगोनेरो, फ़िलीफ़ाइन्स एवं अन्य विदेशी वैज्ञानिक मुख्य वक्ता के रूप में रहे।

कार्यालय
उत्तर प्रदेश रा
कानप
पत्रांक – 7482/केआर/ठेका/स्टाल कैन
विड
उ0प्र0 परि0 नि0 कान
बस स्टेशन झकरकटी प
ठेका उठाये जाने हेतु दिनां
निविदा के माध्यम से नील
शर्तो की जानकारी प
www.upsrtc.com प
विस्तृत जानकारी कार्याल

KANPUR NAG
Motijheel, K
Phone-2551416,2531
E-mail: mekanpur
Website: kmc.

E -Tender Notice
Tender no D/44/CE/24-2

Sealed Tender are invited for " Selection of ageney for proc
single use mixed plastic material form KMC" up to Dt. 24.12.
tender can seen on http://kmc.up.nic.in - and in the Office of Ex
Kanpur Nagar Nigam , Details of the tender will Remain Availab
उपरोक्त निविदा ई– टेण्डर की वेबसाइट http://etender.up.nic.in
0 0 बजे तक प्राप्त की जायेगी।
Tender Cost Rs.2360.00(with GST) & Earnest Money Rs.5
RTGS/NEFT through link https://easypay:axisbank.co.in/easyP
O%3D) available at http://kmc.up.nic.in
Hard Copies are mandatory to submit along with soft copies any
tenders will be done only through http://kmc.up.nic.in & e-procu

इंडोनेशिया में सम्पन्न 11वां गो ग्रीन शिखर सम्मेलन

कुलपति सीएसए ने अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता के साथ नोट स्पीकर में मुख्य भूमिका का किया निर्वहन

कानपुर । सीएसए के कुलपति प्रो डा. आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन 5G अभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच5G के मुद्दे के साथ विगत 13-14 दिसम्बर को इंडोनेशिया में आयोजित हुआ। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन लाइफ़ साइंस और अकादमिक साझेदार कृषि विवि कानपुर यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज फ़िलिपींस एवं यूनिवर्सिटी ऑफ़ हॉर्टिकल्चर साइंसेज़ द्वारा किया गया था। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य साझा विशेषज्ञता और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवसाओ को तैयार करना था। पिछले कुछ वर्षों में गो ग्रीन शिखर सम्मेलन ने एक स्थायी भविष्य के लिए योग्य समाधान विकसित करने के लिए विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा दिया है। इस गतिशील मंच पर एक हरित कल को आकार देने में हमारे साथ जुड़े सैकड़ों प्रतिभागी अपना अपना

बहुमूल्य योगदान लगातार दे रहे हैं जो भविष्य निर्माण के लिए कारगर साबित होगा । कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करने के साथ साथ सम्मेलन में की नोट स्पीकर के रूप में भी अपनी मुख्य भूमिका का निर्वहन किया है। इसी क्रम में कृषि अभियंत्रण संकाय के अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा ने अवगत कराया कि, कुलपति की वैश्विक स्तर पर पहचान एवं उनके द्वारा विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने की सोच के कारण ही कृषि विश्वविद्यालय कानपुर इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा सका है। डॉ शर्मा ने बताया कि, चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर एवं इटावा परिसर पिछले विगत 6 माह में तीन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों जैसे साउथ अफ़्रीका संगोष्ठी कृषि विश्वविद्यालय कानपुर अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एवं बाली इंडोनेशिया के आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा चुका है विश्वविद्यालय एवं इटावा परिसर से अलग अलग विभाग के अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण भी किया, जिसमें प्रमुख रूप से ही डॉ सीमा सोनकर जो की आयोजन समिति की सदस्य भी हैं प्रज्ञा मिश्रा, बादल यादव, डॉ अरुण कुमार,डॉ आशुतोष लोहवंशी, डॉ काशफ ख़ान, डॉ खुशबू गुप्ता, हर्षिता शामिल हैं। इसी क्रम में डॉ शर्मा ने अपने विशेष शोध प्रस्तुतिकरण के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 57 प्रतिशत कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कोयला एवं प्राकृतिक गैसों के उपयोग से बताते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समाधान में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के लिए उपलब्ध तकनीकों को और भी विकसित करने पर जोर देने की बात रखी। उनका प्रस्तुतीकरण प्रमुख रूप से सौर ऊर्जा से सम्बंधित तकनीकी विकसित करने एवं जलवायु परिवर्तन में वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयोग करने पर ही केंद्रित रहा। इस ग्यारहवें गो ग्रीन सम्मेलन में दस देशों से अधिक देशों के लगभग दो सौ से ज्यादा वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया था। सम्मेलन में डा0 वोंग लिग शिंग, मलेशिया, डा0 रिनीरियो ई एकिगोनेरो, फ़िलीफ़ाइन्स एवं अन्य विदेशी वैज्ञानिक मुख्य वक्ता के रूप में रहे।

इटावा इंजीनियरिंग कॉलेज की गेस्ट फैकल्टी डॉ श्वेता दुबे ने मिस फ़ुदण्डन, मिस्टर चेन मिंगुरी के साथ इस सम्मेलन में मॉडरेटर की भूमिका का निर्वहन किया डा0 श्वेता के उत्कृष्ट मॉडरेशन के लिए आयोजकों ने उनको बधाई भी प्रेषित की है।

क्षेत्रीय कार्यालय में संगठन पर्व के तहत मंडल

समाज का साथी

कानपुर महानगर

samaj.ka.sathi@gmail.com

इंडोनेशिया में सम्पन्न 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन

» कुलपति सीएसए ने अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता के साथ नोट स्पीकर में मुख्य भूमिका का किया निर्वाहन

» शिखर सम्मेलन का उद्देश्य भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवसाथाओ को तैयार करना

» समाज का साथी

कानपुर। सीएसए के कुलपति प्रो डा. आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में 11वीं गो ग्रीन शिखर सम्मेलन अभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच के मुद्दे के साथ विगत 13-14 दिसम्बर को इंडोनेशिया में आयोजित हुआ। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन लाइफ़ साइंस और अकादमिक साझेदार कृषि विवि कानपुर यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज फ़िलिपींस एवं यूनिवर्सिटी ऑफ़ हॉर्टिकल्चर साईसेज़ द्वारा किया गया था।

इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य साझा विशेषज्ञता और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवसाओ को तैयार करना था। पिछले कुछ वर्षों में गो ग्रीन शिखर सम्मेलन ने एक स्थायी भविष्य के लिए योग्य समाधान विकसित करने के लिए विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा दिया है। इस गतिशील मंच पर एक हरित कल को आकार देने में हमारे साथ जुड़े सैकड़ों प्रतिभागी अपना अपना बहुमूल्य योगदान लगातार दे रहे हैं जो भविष्य निर्माण के लिए कारगर साबित होगा । कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करने के साथ साथ सम्मेलन में की नोट स्पीकर के रूप में भी अपनी मुख्य भूमिका का निर्वहन किया है। इसी क्रम में कृषि अभियंत्रण संकाय के अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा ने अवगत कराया कि, कुलपति की वैश्विक स्तर पर पहचान एवं उनके

द्वारा विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने की सोच के कारण ही कृषि विश्वविद्यालय कानपुर इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा सका है।

डॉ शर्मा ने बताया कि, चंद्रशेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर एवं इटावा परिसर पिछले विगत 6 माह में तीन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों जैसे साउथ अफ़्रीका संगोष्ठी कृषि विश्वविद्यालय कानपुर अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एवं बाली इंडोनेशिया के आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा चुका है विश्वविद्यालय एवं इटावा परिसर से अलग अलग विभाग के अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण भी किया, जिसमें प्रमुख रूप से ही डॉ सीमा सोनकर जो की आयोजन समिति की सदस्य भी हैं प्रज्ञा मिश्रा, बादल यादव, डॉ अरुण कुमार,डॉ आशुतोष लोहवंशी, डॉ काशफ खान, डॉ खुशबू गुप्ता, हर्षिता शामिल हैं।

इसी क्रम में डॉ शर्मा ने अपने विशेष शोध प्रस्तुतिकरण के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 57 प्रतिशत कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कोयला एवं प्राकृतिक गैसों के उपयोग से बताते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समाधान में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के लिए उपलब्ध तकनीकों को और भी विकसित करने पर ज़ोर देने की बात रखी। उनका प्रस्तुतीकरण प्रमुख रूप से सौर ऊर्जा से सम्बंधित तकनीकी विकसित करने एवं जलवायु परिवर्तन में वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयोग करने पर ही केंद्रित रहा। इस ग्यारहवें गो ग्रीन सम्मेलन में दस देशों से अधिक देशों के लगभग दो सौ से ज्यादा वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया था। सम्मेलन में डा0 वोंग लिंग शिंग, मलेशिया, डा0 रिनीरियो ई एंकिगोनेरो, फ़िलीफ़ाइन्स एवं अन्य विदेशी वैज्ञानिक मुख्य वक्ता के रूप में रहे। इटावा इंजीनियरिंग कॉलेज की गेस्ट फैकल्टी डॉ श्वेता दुबे ने मिस फ़ुदण्डन, मिस्टर चेन मिंगुरी के साथ इस सम्मेलन में मॉडरेटर की भूमिका का निर्वहन किया डा0 श्वेता के उत्कृष्ट मॉडरेशन के लिए आयोजकों ने उनको बधाई भी प्रेषित की है।

वर्ष-11 अंक-283 कानपुर, मंगलवार 17 दिसम्बर 2024 पृष्ठ-8

पुर से प्रकाशित

दैनिक

आज का कानपुर

AKK NEWS

त्य का आधार

क पंजीयन संख्या : .City-323/2018-20
RNI No : HIN/2014/55306

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, औरैया, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

आज का कानपुर हिन्दी दैनिक कानपुर

इंडोनेशिया में सम्पन्न 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन

कुलपति सीएसए ने अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता के साथ नोट स्पीकर में मुख्य भूमिका का किया निर्वाहन शिखर सम्मेलन का उद्देश्य भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवस्थाओं को तैयार करना

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के कुलपति प्रोफेसर डा. आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन अभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच के मुद्दे के साथ विगत 13-14 दिसम्बर को इंडोनेशिया में आयोजित हुआ इस शिखर सम्मेलन का आयोजन लाइफ साइंस और अकादमिक साझेदार कृषि विवि कानपुर यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज मलेशिया, साउथ विले इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज फिलिपींस एवं यूनिवर्सिटी ऑफ़ हॉर्टिकल्चर साइंसेस द्वारा किया गया था इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य साझा विशेषज्ञता और सामूहिक कार्यवाही के माध्यम से भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, कार्यकर्ताओं और व्यवसाओ को तैयार करना था। पिछले कुछ वर्षों में गो ग्रीन शिखर सम्मेलन ने एक स्थायी भविष्य के लिए योग्य समाधान विकसित करने के लिए विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा दिया है इस गतिशील मंच पर एक हरित कल को आकार देने में हमारे साथ जुड़े सैकड़ों प्रतिभागी अपना अपना बहुमूल्य योगदान लगातार दे रहे हैं जो भविष्य निर्माण के लिए कारगर साबित होगा । कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करने के साथ साथ सम्मेलन में की नोट स्पीकर के रूप में भी अपनी मुख्य भूमिका का निर्वहन किया है इसी क्रम में कृषि अभियंत्रण संकाय के अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा ने अवगत कराया कि, कुलपति की वैश्विक स्तर पर पहचान एवं उनके द्वारा विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने की सोच के कारण ही कृषि विश्वविद्यालय कानपुर इस अंतराष्ट्रीय आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा सका है डॉ शर्मा ने बताया कि, चंद्रशेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर एवं इटावा परिसर पिछले विगत 6 माह में तीन अंतराष्ट्रीय संगोष्ठियों जैसे साउथ अफ्रीका संगोष्ठी कृषि विश्वविद्यालय कानपुर अंतराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एवं बाली इंडोनेशिया के आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा चुका है विश्वविद्यालय एवं इटावा परिसर से अलग अलग विभाग के अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण भी किया, जिसमें प्रमुख रूप से ही डॉ सीमा सोनकर जो की आयोजन समिति की सदस्य भी हैं प्रज्ञा मिश्रा, बादल यादव, डॉ अरुण कुमार,डॉ आशुतोष लोहवंशी, डॉ काशफ खान, डॉ खुशबू गुप्ता, हर्षिता शामिल हैं इसी क्रम में डॉ शर्मा ने अपने विशेष शोध प्रस्तुतिकरण के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 57 प्रतिशत कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कोयला एवं प्राकृतिक गैसों के उपयोग से बताते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समाधान में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के लिए उपलब्ध तकनीकों को और भी विकसित करने पर ज़ोर देने की बात रखी उनका प्रस्तुतीकरण प्रमुख रूप से सौर ऊर्जा से सम्बंधित तकनीकी विकसित करने एवं जलवायु परिवर्तन में वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयोग करने पर ही केंद्रित रहा इस ग्यारहवें गो ग्रीन सम्मेलन में दस देशों से अधिक देशों के लगभग दो सौ से ज़्यादा वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया था सम्मेलन में डा0 वॉंग लिग शिंग, मलेशिया, डा0 रिनीरियो ई एकिगोनेरो, फ़िलीफ़ाइन्स एवं अन्य विदेशी वैज्ञानिक मुख्य वक्ता के रूप में रहे। इटावा इंजीनियरिंग कॉलेज की गेस्ट फैकल्टी डॉ श्वेता दुबे ने मिस फुदण्डन, मिस्टर चेन मिंगुरी के साथ इस सम्मेलन में मॉडरेटर की भूमिका का निर्वहन किया डा0 श्वेता के उत्कृष्ट मॉडरेशन के लिए आयोजकों ने उनको बधाई भी प्रेषित की है।

इंडोनेशिया में सम्पन्न 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन

कुलपति सीएसए ने अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता के साथ नोट स्पीकर में मुख्य भूमिका का किया निर्वाहन

☞ शिखर सम्मेलन का उद्देश्य भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निमार्ताओं, कार्यकताओं और व्यवसाथाओ को तैयार करना

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर । सीएसए के कुलपति प्रो डा. आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में 11वाँ गो ग्रीन शिखर सम्मेलन अभिनव पर्यावरणीय समाधानों के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंचर के मुद्दे के साथ विगत 13-14 दिसम्बर को इंडोनेशिया में आयोजित हुआ। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन लाइफ साइंस और अकादमिक साझेदार कृषि विवि कानपुर यूनिवर्सिटी एवं कॉलेज मलेशिया, साउथविले इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज फि लिपींस एवं यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चर साइंसेज द्वारा किया गया था।

इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य साझा विशेषज्ञता और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से भविष्य की महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए शिक्षाविदों, नीति निमार्ताओं, कार्यकताओं और व्यवसाओ को तैयार करना था। पिछले कुछ वर्षों में गो ग्रीन शिखर सम्मेलन ने एक स्थायी भविष्य के लिए योग्य समाधान विकसित करने के लिए विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा दिया है। इस गतिशील मंच पर एक हरित कल को आकार देने में हमारे साथ जुड़े सैकड़ों प्रतिभागी अपना अपना बहुमूल्य योगदान लगातार दे रहे हैं जो भविष्य निर्माण के लिए कारगर साबित होगा । कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करने के साथ साथ सम्मेलन में की नोट स्पीकर के रूप में भी अपनी मुख्य भूमिका का निर्वहन किया है। इसी क्रम में कृषि अभियंत्रण संकाय के अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा ने अवगत कराया कि, कुलपति की वैश्विक स्तर पर पहचान एवं उनके द्वारा विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने की सोच के कारण ही कृषि विश्वविद्यालय कानपुर इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा सका है। डॉ शर्मा ने बताया कि, चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर एवं इटावा परिसर पिछले विगत 6 माह में तीन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों जैसे साउथ अफ्रीका संगोष्ठी कृषि विश्वविद्यालय कानपुर अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एवं बाली इंडोनेशिया के आयोजन में अपनी प्रमुख भूमिका निभा चुका है विश्वविद्यालय एवं इटावा परिसर से अलग अलग विभाग के अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण भी किया, जिसमें प्रमुख रूप से ही डॉ सीमा सोनकर जो की आयोजन समिति की सदस्य भी हैं प्रज्ञा मिश्रा, बादल यादव, डॉ अरुण कुमार,डॉ आशुतोष लोहवंशी, डॉ काशफ खान, डॉ खुशबू गुप्ता, हर्षिता शामिल हैं।